- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 बिहार असेंबली भंग करेंगे नीतीश! NDA में वापसी के लिए लगी अटकलें

04 रामगढ़वा प्रमुख पर 20 समिति सदस्यों के मत से लगा अविश्वास प्रस्ताव

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 21 जनवरी 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 336

खास समाचार

प्राण प्रतिष्ठा के चलते दिल्ली में भी आधे दिन की छुट्टी

नई दिल्ली। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए दिल्ली सरकार ने भी सरकारी दफ्तरों में आधे दिन की छुट्टी घोषित कर दी है। 22 जनवरी को दोपहर ढाई बजे तक के लिए दफ्तरों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। इससे पहले भी कई राज्यों ने आधे दिन से लेकर पूरे दिन की छुट्टी घोषित कर रखी है। केंद्र सरकार ने भी अपने स्तर पर सरकारी दफ्तरों के लिए ऐसा ही फरमान जारी किया है। 22 जनवरी को यूपी में पहले ही छुट्टी का ऐलान कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसके अलावा राज्ये में इस दिन शराब की दुकानें भी बंद रखने के निर्देश दिए हैं।

भविष्य की पीढ़ी कांग्रेस से पूछेगी सवाल- रविशंकर प्रसाद

लंबे वक्त तक दो पक्ष अदालत में कानूनी लड़ाई क्यों लड़ते रहे?

बीएनएम@ नई दिल्ली

22 को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होना है। इस कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी सहित देश की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल होने वाली हैं। सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर के निर्माण को मंजूरी देने से पहले यह मुद्दा काफी विवादित रहा था। लंबे वक्त तक दो पक्ष अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ते रहे। पहले इलाहबाद हाईकोर्ट में मामला जेरे बहस रहा और फिर सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा। विपक्ष यह आरोप लगाता रहा है कि यह कार्यक्रम बीजेपी और आरएसएस की ओर से किया जा रहा है एक कार्यक्रम है। इस मामले में लंबे वक्त तक वकालत के जरिए

जुड़े रहे भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में ऐसे ही कई सवालों के जवाब दिए हैं।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद इस मामले से काफी करीब रहे हैं और कानूनी मामलों को भी जानते रहे हैं। वह कहते हैं, "इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला काफी अहम है, मुस्लिम पक्ष कोई सबूत पेश नहीं कर सका कि पिछले 100 सालों तथाकथित बाबरी ढाँचे पर उनका विशेष कब्ज़ा था ये जगह उनकी है। रिकॉर्ड पर इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि यह जगह भगवान राम का जन्म स्थल था और जन्म स्थान पर हिंदुओं की आस्था कभी नहीं डिगी।"

वह आगे कहते हैं, "भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के निष्कर्षों ने यह भी स्पष्ट रूप से स्थापित किया है कि 8वीं-9वीं शताब्दी के एक बहुत पुराने मंदिर के खंडहरों पर बाबरी मस्जिद बनाई गई थी। इसलिए एक सवाल जो मैं उठाना चाहूंगा वह यह है कि इन वैज्ञानिक निष्कर्षों को देखते हुए राम जन्मभूमि विवाद के मामले में वैसी ही राजनीतिक कुशलता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन क्यों नहीं किया गया जैसा कि सोमनाथ के मामले में किया गया था?"

वाह आगे उदाहरण देते हुए कहते हैं, "जब भारत आज़ाद हुआ तो पूरा देश रानी विक्टोरिया, लॉर्ड हार्डिंग, किंग जॉर्ज पंचम की मूर्तियों से अटा पड़ा थाउन्हें हटाया गया या नहीं? क्यों? क्योंकि वे रचनात्मकता की मूर्तियाँ नहीं बल्कि गुलामी के प्रतीक थे। वही रवैया यहां भी दिखाया जाना चाहिए था।" इस सवाल के जवाब में रविशंकर प्रसाद कहते हैं, "यह मंदिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बनाया जा रहा है। इसके लिए कोर्ट ने एक कमेटी गठित करने का आदेश दिया था।

दारा सिंह चौहान को मिला MLC का टिकट

लखनऊ। दारा सिंह चौहान को चुप रहने का इनाम मिला है। उत्तर प्रदेश की नोनिया चौहान जाति पिछड़े तबके में आती है। दारा सिंह उसके कद्दावर नेता माने जाते हैं। सियासी करियर की शुरूआत कांग्रेस से की थी। फिर 1996 में समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। लेकिन, 2007 में बसपा से मोह हुआ और मायावती ने उन्हें राज्यसभा का सदस्य बना दिया।

बाद में 2009 में घोसी से बसपा टिकट पर ही लोकसभा पहुंच गए। पर बसपा से ही 2015 में मोहभंग हो गया और भाजपा में शामिल हो गए। योगी सरकार बनी तो 2017 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद मंत्री भी बन गए। जनवरी 2022 में जब लगा कि हवा का रुख पलटने वाला है तो भाजपा छोड़कर फिर सपा में आ गए। सपा टिकट पर घोसी से विधानसभा चुनाव भी जीत गए। लेकिन, सरकार तो भाजपा की ही फिर बन गई। मंत्रिपद की ख्वाहिश पूरी कैसे होती। लिहाजा एक साल बाद सपा से इस्तीफा देकर फिर भाजपा में शामिल हो गए। विधानसभा की सदस्यता भी छोड़नी पड़ी। उपचुनाव हुआ तो भाजपा ने उन्हें ही उम्मीदवार बना दिया। लेकिन, इस बार सपा के सुधाकर सिंह से मात खा गए। अब भाजपा ने दिनेश शर्मा के इस्तीफे से खाली हुई विधान परिषद सीट के उपचुनाव में उन्हें उम्मीदवार बना दिया। उनका जीतना भी तय है। संकेत मिल रहे हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले चौहान को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्रिपद भी मिल जाएगा।

फिर बदलेगा नाम

चर्चा है कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव अपनी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का नाम बदलेंगे। उन्होंने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का नाम बदलकर पिछले साल जब बीआरएस किया था तो यह संदेश देने की कोशिश की थी कि वे अखिल भारतीय स्तर की राजनीति करेंगे। पर विधानसभा चुनाव में उन्हें करारा धक्का लगा। उनकी पार्टी के नेताओं ने उन्हें सलाह दी।

बताते हैं कि चंद्रबाबू नायडू ने बेशक राष्ट्रीय स्तर की राजनीति की पर पार्टी का नाम नहीं बदला। वह तेलगूदेशम ही रहा। जब तक प्रदेश में पार्टी मजबूत नहीं होगी तब तक राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा परवान नहीं चढ़ पाएगी। सूबे में लोकसभा की 17 सीटें हैं। टीआरएस ने 2019 में नौ सीटें जीती थी। कांग्रेस को महज तीन सीटें ही मिल पाई थी। अब सूबे में कांग्रेस सत्ता में है।

ईडी ने हेमंत सोरेन से पूछताछ शुरू की

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताछ करने प्रवर्तन निदेशालय की टीम कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास आज पहुंचकर पूछताछ शुरू कर दी है। ईडी की टीम लगभग छह गाड़ी से मुख्यमंत्री आवास पहुंची है। वहीं दिल्ली से आए तीन अधिकारी भी टीम के साथ मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम मुख्यमंत्री और उनके पारिवारिक सदस्यों द्वारा अर्जित संपत्ति के आर्थिक स्रोतों से जुड़े सवाल भी पूछ सकती है। साथ ही संबंधित बिंदुओं पर मुख्यमंत्री का बयान भी दर्ज किया जायेगा। इस दौरान विधि-व्यवस्था के साथ ईडी ऑफिस और अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तैयारी की गयी है।डीसी राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा भी मुख्यमंत्री हाउस के बाहर मौजूद हैं।

आरोप पूरे हिंदुस्तान पर दिल्ली का शासन चाहते हैं भाजपाई

पूरे देश में हिंदी का प्रयोग चाहती है भाजपा: राहुल

लखीमपुर(असम)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) चाहते हैं कि देश के हर हिस्से में हिंदी का इस्तेमाल हो और पूरे हिंदुस्तान पर दिल्ली से ही शासन हो।

श्री गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने से पहले आज यहां कहा कि देश के युवाओं को हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा पूरा करने में असफल रही भाजपा सरकार अब देश को दिल्ली से

चलाना चाहती है और उसकी कोशिश है कि पूरे देश में हिंदी का प्रयोग हो। उन्होंने कहा, ₹भाजपा की विचारधारा है- हिंदुस्तान को दिल्ली से चलाया जाना चाहिए और सभी देशवासियों को हिंदी का प्रयोग करना चाहिए लेकिन कांग्रेस पार्टी का मानना है- हिन्दी भाषा के साथ-साथ आपकी क्षेत्रीय भाषा की भी जगह होनी चाहिए।"

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत मणिपुर से करने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा, 'मणिपुर में सिविल वॉर जैसा माहौल बना हुआ है, लोग मारे जा रहे हैं, घर जलाए जा रहे हैं लेकिन देश के प्रधानमंत्री आज तक मणिपुर नहीं गए।' श्री गांधी ने कहा कि पिछले साल उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा दक्षिण से उत्तर की तरफ की थी और इस बार उन्हें पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों से मिलना का था इसलिए नॉर्थ ईस्ट से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू की है। देश में बेरोजगारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'अरुणाचल प्रदेश के चार युवक मेरे पास आए। उन्होंने कहा कि पांच साल की मेहनत के बाद वे सेना में भर्ती हुए लेकिन सरकार ने नई भर्ती की आड़ में डेढ़ लाख युवाओं को रिजेक्ट कर दिया।"

उन्होंने 'एक्स' पर कहा 'जब देश का हर तीसरा युवा बेरोज़गारी का शिकार है, तब प्रधानमंत्री ने एक बार फिर उनके साथ बड़ा धोखा किया है।'

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

बिहार असेंबली भंग करेंगे नीतीश! NDA में वापसी के लिए लगी अटकलें

पटना। बिहार की सियासत सर्दी में भी गर्मी का एहसास करा रही है। शुक्रवार के मुकाबले शनिवार का दिन शांति से गुजर गया। जानकार इसे किसी बड़े तूफान का संकेत मान रहे हैं। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नीतीश कुमार से मुलाकात भी बेअसर साबित हो रही है। नीतीश कुमार खामोश हैं। बयानबाजी और कयासों का दौर जारी है। हां, सियासी चर्चा में तमाम जोड़-घटाव के बाद हासिल यही निकल रहा है कि नीतीश कुमार एनडीए के साथ जाने का पक्का मन बना चुके हैं। शर्तें तय हो चुकी हैं। सिर्फ मुहूर्त का इंतजार है।

राजनीति में जब भी इस तरह की कोई स्थिति आती है तो सिर्फ संकेतों और अटलों-अनुमानों पर खबर खड़ी होती है। इसे दूसरे शब्दों में कहें तो खबरों का आधार चर्चाएं और अटकलें ही बनती हैं। नीतीश कुमार ने एनडीए के साथ जाने में आने वाली सभी बाधाएं दूर कर ली हैं। जेडीयू को पुनर्गठित किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर नई कार्यकारिणी तक का गठन कर लिया है। खास बात यह है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह को हटाए जाने के बाद अब उनकी गठित कार्यकारिणी भंग कर नई कमेटी बना दी गई है। वशिष्ठ नारायण सिंह को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई कमेटी में 22 लोग हैं। ललन सिंह की कमेटी का कोई नाम नई कार्यकारिणी में नहीं है। यानी अब कोई भी नीतिगत फैसला लेने के लिए नीतीश कुमार की अपने मन की कमेटी तैयार है। जेडीयू के महागठबंधन से अलग होने और एनडीए में जाने के लिए नीतीश के सामने अब कोई बाधा नहीं है। सियासी चर्चाओं में यह बात पुख्ता तौर पर कही जा रही है कि सैद्धांतिक रूप से जेडीयू ने एनडीए का हिस्सा बनने का निर्णय ले लिया है। जेडीयू ने दो शर्तें रखी थीं। बीजेपी ने एनडीए में जेडीयू को शामिल करने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उनमें पहली शर्त यह है कि नीतीश कुमार विधानसभा भंग कर दें। लोकसभा के साथ ही विधानसभा के चुनाव हों। दूसरी शर्त है, जेडीयू को असेंबली और लोकसभा चुनाव में भाजपा पूर्व की भांति बराबर सीटें तो देगी, लेकिन जेडीयू को असेंबली में अधिक सीटें आईं भी तो नीतीश की जगह सीएम भाजपा से बनेगा। नीतीश की रजामंदी इस पर मिल चुकी है। भाजपा भी तैयार है। यानी गेंद अब नीतीश कुमार के पाले में है। नये काम के लिए नीतीश को अब सिर्फ शुभ मुहूर्त का इंतजार है।

नीतीश कुमार को भी इस बात का एहसास है कि अब उनकी उम्र कितनी हो गई है, उसमें ज्यादा माथापच्ची की गुंजाइश नहीं। अगर वे बीजेपी के साथ जाते हैं तो पिछली बार की ही तरह लोकसभा में जेडीयू की जीत की गुंजाइश अधिक होगी। सीटें भी उन्हें मन माफिक मिल रही हैं।

दूसरी बात उनके दिमाग में यह हो सकती है कि जब 45 विधायकों के साथ तीसरे नंबर की पार्टी होने के बावजूद जेडीयू सत्ता की चाबी अपने हाथ में रख सकता है तो बीजेपी के साथ जाने पर अगर सीटें अधिक आ गई तो उन्हें बारगेनिंग का मौका मिल जाएगा। कुछ नहीं हुआ तो बीजेपी के केंद्र की सत्ता में आने पर उन्हें आखिरी वक्त में भाजपा कोई संवैधानिक पद जरूर दे सकती है।

नीतीश कुमार की नयी टीम तैयार, JDU में वशिष्ठ नारायण बने उपाध्यक्ष

पटना। नीतीश कुमार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष फिर एकबार बने हैं और पार्टी की कमान थामने के बाद अब उन्होंने नयी टीम भी तैयार कर दी है जो जदयू संगठन का काम संभालेगी। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए अब नयी उर्जा के साथ जदयू की ये टीम काम करेगी और संगठन को मजबूती देगी। राज्यसभा के सांसद वशिष्ठ नारायण सिंह को जदयू ने पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया है जबकि केसी त्यागी राजनीति सलाहकार व प्रवक्ता की भूमिका निभाएंगे। नीतीश कुमार के द्वारा तैयार की गयी जदयू की नयी टीम में कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी लोकसभा सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन को दी गयी है। जबकि कुल 11 महासचिव का चयन नीतीश कुमार ने किया है। इनमें राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर, पूर्व सांसद मंगनी लाल मंडल, बिहार सरकार के मंत्री संजय कुमार झा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी, एमएलसी अफाक अहमद खान, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, पूर्वकेंद्रीय मंत्री राम सेवक सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद कहकशां परवीन, एमएलसी कपिल हरीशचंद्र पाटिल, राज सिंह मान और पूर्वविधायक सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर सुनील शामिल हैं।

आधा दर्जन नेता बने सचिव

पूर्व विधायक राजीब रंजन को प्रवक्ता बनाया गया है जबकि सचिव पद की जिम्मेवारी 6 नेता निभाएंगे। इनमें पूर्व विधायक विद्यासागर निषाद, राजीव रंजन प्रसाद, अनूप पटेल, दयानंद राय, संजय कुमार और मो. निसार शामिल हैं। इन सभी नेताओं को जदयू का सेक्रेटरी बनाया गया है।

बता दें कि बिहार में सियासी समीकरण अब बदल चुके हैं। जदयू ने एनडीए से खुद को अलग करके महागठबंधन के साथ मिलकर सरकार बनायी है।

52 कार्टून विदेशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

सहरसा। जिले के सौर बाजार थाना क्षेत्र में एक 10 चक्का ट्रक पर अवैध विदेशी शराब लाये जाने की सूचना मिलने पर उक्त सूचना के सत्यापन हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देश अनुसार जिला तकनीकी शाखा एवं पतरघट ओपी प्रभारी द्वारा संयुक्त छापामारी टीम गठन किया गया। छापामारी टीम द्वारा सौर बाजार थाना के पतरघट ओपी थाना अंतर्गत जम्हरा के पास झारखंड से आ रही एक 10 चक्का ट्रक को रोककर तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान उक्त वाहन से 52 कार्टून विदेशी शराब बरामद किया गया। इस टीम में शामिल जिला सूचना इकाई के प्रभारी एवं कर्मी, पुलिस निरीक्षक अजय कुमार पासवान,पुलिस अवर निरीक्षक पंकज कुमार यादव, वरुण कुमार, नीरज कुमार तथा पतरघट ओपी के सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार सोनवर्षा राज निवासी विजन यादव के पुत्र दीपक कुमार एवं शीतल पट्टी के रामचंद्र यादव के पुत्र सुधीर कुमार को गिरफ्तार किया गया।

22 जनवरी को राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

अररिया। जिले की पलासी थाना पुलिस ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला मंदिर को प्राण-प्रतिष्ठा के दिन बम से उड़ाने की धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक खुद को विदेश में छिपे दाऊद इब्राहिम ग्रुप का आतंकी बता रहा है। युवक ने खुद को छोटा शकील बताकर धमकी देने के लिए फोन किया था।

गिरफ्तार युवक पलासी थाना क्षेत्र के बलुआ कलियागंज निवासी इब्राहिम का पुत्र इंतखाब बताया गया है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए अररिया एसपी अशोक कुमार सिंह ने बताया है कि बीते शुक्रवार 19 जनवरी 2024 की देर शाम एक युवक अपना नाम छोटा शकील बता रहा था और खुद को विदेश में छिपा दाऊद इब्राहिम गिरोह का आतंकवादी बता रहा था. उसने पुलिस वाहन इआरआरएस के डायल 112 नंबर पर कई बार कॉल किया। वो कॉल करके 22 जनवरी 2024 यानी सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के दिन राम लला मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दे रहा था।

एसपी ने कहा है कि पूरे मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए छोटा शकील नाम के युवक के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की गई और जब साइबर तकनीकी शाखा द्वारा उसका कॉल डिटेल निकाला गया तो धमकी देने वाले युवक द्वारा इस्तेमाल किया गया मोबाइल नंबर पलासी थाना क्षेत्र के बलुआ कलियागंज निवासी जमालुद्दीन के पुत्र इब्राहिम नाम के युवक का निकला। फोन करने वाले युवक की पहचान पता चलने के बाद पलासी थाना पुलिस ने मामले की जांच करते हुए तत्काल कार्रवाई की।

सफाई अपराध करने पर कोई कानून के चंगुल से बच नहीं सकता

नीतीश का सुझाव की जरूरत नहीं

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सुशासन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से दिये गये सुझाव पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आज कहा कि उन्हें किसी से ऐसे सुझाव की जरूरत नहीं है।

जदयू के वरिष्ठ नेता और बिहार के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री श्री कुमार सुशासन के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में सत्ता में आने के बाद से उनकी सरकार ने बिहार में कानून का राज स्थापित किया है।

जदयू नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री कुमार हमेशा कानून का शासन सुनिश्चित करने के प्रति समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार के शासन में अपराध करने पर कोई भी कानून के चंगुल से बच नहीं सकता है।

श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी द्वारा मुख्यमंत्री श्री कुमार को वर्ष 2005 वाले फॉर्म में लौटने का सुझाव देने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि श्री कुमार को किसी से सुझाव लेने की जरूरत नहीं है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व उप मुख्यमंत्री और भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने मुख्यमंत्री श्री कुमार को अपने 2005 वाले फॉर्म में लौटने और अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है की जब श्री कुमार वर्ष 2005 में सत्ता में आए तब से उन्हें कानून का शासन स्थापित करने और राज्य को 2005 से पहले की अराजकता से बाहर निकलने के लिए जाना जाता था।

समस्तीपुर में युवक की गोली मारकर की हत्या

समस्तीपुर। बिहार में समस्तीपुर जिले के मथुरापुर ओपी थाना क्षेत्र में शनिवार को अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि गोविंदपुर गांव निवासी सोनू कुमारआज शराब कांड के एक मामले में समस्तीपुर कोर्ट गवाही देने पैदल जा रहा था। इस दौरान मगरदही घाट पुल पर अपराधियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

अस्पताल का गंदा खेल: अवैध चिकित्सक लेकिन सर्टिफिकेट वैध

ग्राउंड रिपोर्ट

जिले मे कुकुरमुत्ते की तरह फैले है फर्जी चिकित्सक

ग्रामीणों ने मजाकिया लहजे मे कहा जनसंख्या नियंत्रण करने मे सरकार की हो रही है मदद

सागर सूरज

भाग–1

मोतिहारी। जिले में फर्जी चिकित्सकों की भरमार सी हो गई है। प्रखण्ड क्षेत्रों के प्रत्येक गांवों के बाजारों और चौक चौराहे पर बजाप्ता क्लिनिक खोल कर बैठे नीम हकीम ग्रामीणों के जीवन के साथ खेलवाड़ करते दिख रहे है। इन तथाकथित चिकित्सकों के लापरवाही से मरने वालों की खबर लगातार आ रही है।

अरेराज, संग्रामपुर, तुरकौलिया, हरसिद्धि में तो ऐसे चिकित्सक भरे पड़े है। खास बात ये कि ये नीमहकीम स्थानीय सरकारी अस्पतालों के चिकित्सा पदाधिकारियों की जानकारी मे इस गंदे खेल को खेलते नहीं थकते।

यही नहीं अरेराज अनुमंडल क्षेत्र में कई जगह बिना डिग्री वाले चिकित्सक खुलेआम ऑपरेशन तक कर रहे है। संग्रामपुर से आगे अरेराज रोड में नवादा ढाला के पास स्थित एक मां लक्ष्मी हॉस्पिटल नाम से एक तथाकथित अस्पताल है। जहां एक बिना डिग्री वाला चिकित्सक खुलेआम ऑपरेशन और डिलीवरी तक करवा रहा है।

बताया जाता है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर से जुड़े कई दलाल मोटी कमीशन के बहाने मरीजों को बहला फुसला कर इन नीम हकीमों के हवाले कर देते है। कथित चिकित्सक डॉ. गुड्डू कुमार से जब उनके डिग्री की बात की गई तो वे गोल मटोल जवाब देकर अपनी बात खत्म कर दिए। गुड्डू कुमार की तरह फर्जी चिकित्सकों की एक लंबी फेहरिस्त है।

इधर मोतिहारी सदर अस्पताल के सीविल सर्जन डॉ. अंजनी कुमार ने समय समय पर रेड कर कार्रवाई करने का दावा किया है। बॉर्डर न्यूज मिरर से बात करते हुए उन्होंने बताया कि जहां जहां से सूचना मिलती है हम लोग कार्रवाई करते है।

अब आलम यह है कि गत दिनों तुरकौलिया सहित कई ईलकों में फर्जी चिकित्सकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कई क्लिनिक को सील किया गया था। लेकिन सभी क्लिनिक या तो जगह बदल कर या दूसरे नाम से फिर से संचालित होने शुरू हो गए है। तुरकौलिया के डॉ. दीपक कुमार की भी क्लिनिक सील हुई थी, लेकिन वह क्लिनिक पुनः उसी जगह पर चलाई जा रही है।

हालांकि, तुरकौलिया में इन चिकित्सकों के विरुद्ध अवैध हॉस्पिटल चलाने के आरोप मे प्राथमिकी भी दर्ज किया गया था। जिसमे बैरिया बाजार स्थित डा. बिनोद प्रसाद, उमेश कुमार, तुरकौलिया स्थित डा. दीपक कुमार, गणेश साह, डा. एस कुमार, डा. खतीदा अंजुम, डा. पप्पू कुमार, डा. अंजुम आरा, डा. अरशद व डा. बीके प्रसाद के विरुद्ध अवैध हॉस्पिटल चलाने को लेकर सील कर दी पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इधर पुलिस भी दर्ज सभी मुकदमे के फायलों पर कुंडली मार कर बैठ गई है।

सील के दौरान ही कुछ क्लिनिक नर्सींग होम संचालकों ने सिविल सर्जन को क्लिनिकल स्टेबलिस्ट सर्टिफिकेट लेने के लिए आवेदन भी दिया था और सिविल सर्जन कार्यालय द्वारा सर्टिफिकेट देने की भी बात कही जा रही है। अब सवाल ये है कि जब चिकित्सक फर्जी है तो फिर उन्हें क्लिनिकल स्टेबलिस्टमेन्ट एक्ट के तहत किस आधार पर पंजीकृत किया गया।

इधर खबर मिल रही है कि हरसिद्धि सहित जिले मे कई जगह जिले के नामी चिकित्सकों का बोर्ड लगा कर मरीजों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। बताया गया है कि हरसिद्धि में डॉ राकेश रंजन, डॉ आर चौधरी समेत कई चिकित्सको के द्वारा वरीय चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ संतोष कुमार, डॉ तबरेज के असिस्टेंट का भी बोर्ड लगा कर प्रैक्टिस किया जा रहा है और ये सभी बाते हरसिद्धि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी को पता है। बताया गया है कि इन फर्जी चिकित्सकों के द्वारा डॉ यू एस पाठक, डॉ हेना चंद्रा, डॉ संजीव रंजन आदि चिकित्सकों के नामों का खुलेआम उपयोग किया जाता है।

ये नीम हकीम अपना दावा दुकान भी कई जगह अवैध रूप से संचालित करते है परंतु कोई खोजने पूछने वाला नहीं है।

– क्रमशः....

कारगिल कप क्रिकेट टूर्नामेंट का विधायक ने किया शुभारंभ

बीएनएम@पताही

प्रखंड मुख्यालय स्थित हाई स्कूल के खेल मैदान में शनिवार को कारगिल कप टूर्नामेंट टी 20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया कारगिल कप टूर्नामेंट का उद्घाटन भाजपा विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता, मुखिया कृष्ण मोहन कुमार सिंह ने फीता काट किया। वहीं इस दौरान भाजपा विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने बैटिंग तो मुखिया कृष्ण मोहन सिंह ने बौलिंग कर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उद्घाटन समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए कही। हारने वाले को जीतने के लिए तथा जीतने वाले को जीत बरकरार रखने के लिए खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रिकेट देश में काफी लोकप्रिय खेल है और लगभग हर घर में इसके प्रेमी मिल जायेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। अच्छा खिलाड़ी छोटे गांवों से भी निकल कर देश का नाम रोशन कर सकता है। इसके उपरांत विधायक ने फीता काटकर कर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया और खिलाडियों से परिचय किया।वहीं उद्घाटन मैच मोतिहारी बनाम शिवहर के बीच खेला गया। जिसमें मोतिहारी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का निर्णय लिया। वही बैटिंग करने उतरी शिवहर के टीम ने 9 विकेट खोकर 157 रन पर सिमट गई। वही जवाब में उतरी मोतिहारी के टीम के द्वारा कारी मकसद के बावजूद भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई और 12 रन से हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद शिवहर की टीम ने पहला मैच को 12 रन से जीतकर अपनी जगह सेमीफाइनल में बना ली। वहीं शिवहर टीम के सलामी बल्लेबाज मृत्युंजय कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 54 गेंद में आठ छक्का और आठ चौके की मदद से 91 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं इस मैच के मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार भाजपा के विधायक लाल बाबू प्रसाद गुप्ता व स्थानीय मुखिया कृष्ण मोहन सिंह ने शिवहर के खिलाड़ी मृत्युंजय कुमार को दिया। मौके परमौके पर मुरारी कुमार सिंह, रितु रंजन कुमार, संजीव कुमार सिंह सूरज कुमार सहित हजारों की संख्या में दर्शन मौजूद थे।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारत के राष्ट्र पुरुष उनके बिना हिन्दू समाज अधूरा : विहिप

मोतिहारी।विहिप के बिहार झारखंड के विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक श्रीवास्तव ने शनिवार को यहां कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारत के राष्ट्र पुरुष है और उनके बिना हिन्दू समाज अधूरा है अयोध्या का राम मंदिर राष्ट्र मंदिर होगा। उन्होने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि 500 वर्षो के संघर्ष के बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या में विराजित हो रहे है। इस मंदिर निर्माण के लिए साढे पांच लाख हिन्दुओं ने बलिदान दिया है। ऐसे में सभी हिन्दू और सनातनी 22 जनवरी को अपने अपने घरों मंदिरों पर दीपावली मनाए।

भगवा ध्वज लगाए और भजन-कीर्तन का आयोजन करे। इस उपलक्ष्य में विहिप के आह्वान पर सभी मंदिरों को सजाया जा रहा है व सभी घरों पर भगवा ध्वज लगाए जा रहे है।

वार्ड स्तर पर बजरंगदल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अक्षत वितरण के बाद दीपावली मनाने की तैयारी कर रहे है।

इस मौके पर नरसिंह बाबा मंदिर पर भजन-कीर्तन भंडारा के साथ ही कारसेवकों को सम्मानित किया जाएगा। वही महिलाए गायत्री मंदिर से 10 बजे दिन में 22 जनवरी को कलश यात्रा निकालकर नरसिंह बाबा मंदिर आएगी। इस अवसर पर शहर के कोने कोने से शोभा यात्रा निकाली जायेगी।

मौके पर विहिप के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह बजरंगदल के विभाग संयोजक जितेन्द्र कुशवाहा जिला संयोजक हेमंत कुमार जिला सह संयोजक उद्धेश्य गुप्ता नगर संयोजक राहूल सिंह जिला सह मंत्री राजन तिवारी जिला प्रचार प्रमुख आनन्द प्रकाश हरिश्चंद्र उपाध्याय ध्रुव मिश्रा धर्मेन्द्र ठाकुर उपस्थित थे।

अरेराज में 58 एटीएम कार्ड के साथ एक साइबर फ्रॉड गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी

एक साइबर फ्रॉड को पुलिस ने शनिवार को अरेराज से गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने देते हुए पत्रकारों को बताया कि गिरफ्तार साइबर फ्रॉड गोपालगंज जिला अंतर्गत मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र का रोहित कुमार साह है। गिरफ्तारी के दौरान इसके तीन-चार साथी भागने में सफल रहे। बावजूद इसके सभी के नाम का खुलासा हो गया है। जल्द ही इस गिरोह में शामिल अन्य लेगों को दबोच लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि इनकी गतिविधियों की सूचना के बाद अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में अरेराज ओपी प्रभारी वीभा कुमारी, एसआई रमेन्द्र कुमार एवं अरेराज थाना के रिर्जव गार्ड को शामिल किया गया। एसपी ने बताया कि टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक को दबोच लिया। इनके पास एसबीआई के 10, पीएनबी के सात , बैक ऑफ बड़ौदा के पांच, सेंट्रल बैंक के 4, एक्सिस बैंक के 4, यूनियन बैंक के 4, एचडीएफसी के 4 केनरा बैंक 4, इको बैंक के 3, बैक ऑफ इंडिया के 3, आईसीआईसीआई के 3 और अन्य बैंकों के सात एटीएम बरामद किये गये। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाश चार चक्का गाड़ी से एटीएम का रेकी करता था।

रामगढ़वा प्रमुख पर 20 समिति सदस्यों के मत से लगा अविश्वास प्रस्ताव

बीएनएम@रामगढ़वा

रामगढ़वा प्रखंड प्रमुख कांता देवी पर लगे अविश्वास प्रस्ताव पर शनिवार को प्रखंड कार्यालय के सभागार में व्यापक विधि व्यवस्था के बीच चर्चा एवम मत विभाजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के प्रवेक्षण हेतु जिला से डीटीओ अधिकारी को पर्यवेक्षक के रूप प्रतिनुक्त किया गया था। रामगढ़वा प्रखंड कार्यपालक पदाधिकारी मोहम्मद सज्जाद ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव को लेकर शनिवार को विशेष बैठक आहूत की गई थी। यह 20 - 0 से पारित हुआ है। इस बैठक में रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र के 24 समिति सदस्यों में से 22 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में निवर्तमान प्रमुख कांता देवी और मुरला के समिति सदस्य शान्ति देवी अनुपस्थित रही। चर्चा के बाद हुए मत विभाजन में अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में 20 समिति सदस्यों ने मत डाला, जबकि 2 समिति सदस्यों के मतपत्र सादा निकला। अब प्रमुख के निर्वाचन के लिए तिथि निर्धारित की जाएगी। बता दें कि आज के इस विशेस बैठक को लेकर कई दिनों से काफी गहमा गहमी रही। विधि व्यवस्था को लेकर प्रसाशनिक मुस्तैदी बनाईं गई थी ।चर्चा एवम मत विभाजन केन्द्र पर दंडाधिकारी के रूप में राजस्व अधिकारी सतीश कुमार गुप्ता की प्रतिनुक्ति थी। जबकि प्रखंड सभगार के बाहर मनरेगा पीओ अमृतेश कुमार दंडाधिकारी के रूप प्रतिनुक्त रहे। अंचलाधिकारी मणिभूषण कुमार के द्वारा विधि व्यवस्था का संधारण किया गया। यह विशेष बैठक शांति पूर्ण वातावरण में संपन हुआ।

पूर्वी प्रक्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रतिभागिता के लिए अभिषेक व शुभांगी का चयन

बीएनएम@मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में नामांकित दो विद्यार्थी अभिषेक कुमार एवं शुभांगी भारती का चयन पूर्वी प्रक्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता यूनिफेस्ट 2023-24 के लिए हुआ है। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरूण कुमार ने हर्षित होकर बताया कि साहित्यिक विधा के क्विज स्क्रीनींग टेस्ट में अभिषेक कुमार तथा समूह गायन में शुभांगी भारती चयनित होकर इस महाविद्यालय की गरिमा में वृद्धि किया है। उन्होंने इन दोनों प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित कर पूर्वी प्रक्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विजयी होने के गुर भी सिखाए। ज्ञात हो कि सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रविरंजन सिंह के सुप्रयत्नों से यहां के विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को निरंतर तराशा जा रहा है। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों में 11 जनवरी से 18 जनवरी तक विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित कर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की 42 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है, जिसमें अभिषेक कुमार ने क्विज में तथा शुभांगी भारती ने समूह गायन में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के सौजन्य से 16-20 फरवरी के बीच बेहरामपुर विश्वविद्यालय, बेहरामपुर, उड़ीसा में प्रस्तावित पूर्वी प्रक्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता यूनिफेस्ट 2023-24 में अभिषेक कुमार एवं शुभांगी भारती अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन दो विद्यार्थियों की उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार की ओर से दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ.सुबोध कुमार, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेशमणि तिवारी, भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ.पिनाकी लाहा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सर्वेश दूबे, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.अरविंद कुमार, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ.जौवाद हुसैन, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.संतोष विश्नोई,प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण सहित सभी लोगों द्वारा भावी विजय की शुभकामनाएं प्रेषित की जा रही है।

दोनों प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित कर पूर्वी प्रक्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विजयी होने के गुर भी सिखाए। ज्ञात हो कि सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रविरंजन सिंह के सुप्रयत्नों से यहां के विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को निरंतर तराशा जा रहा है।

न्यूनतम 75% उपस्थिति अनिवार्य– प्राचार्य

बीएनएम@मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा समाप्ति उपरांत 11 जनवरी से कक्षा तालिका के अनुसार सभी कक्षाएं निरंतर संचालित हो रही है। कॉलेज प्राचार्य प्रो (डॉ.) अरुण कुमार ने बताया कि बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के निदेशानुसार यहां बीबीए, बीसीए व बीएड व्यवसायिक पाठ्यक्रम सहित सभी पारंपरिक पाठ्यक्रम की कक्षाओं में सभी नामांकित विद्यार्थियों की न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।

इससे कम उपस्थिति की स्थिति में विद्यार्थियों को परीक्षा प्रपत्र भरने से वंचित होना पड़ सकता है। सक्षम प्राधिकार की अनुमति से कक्षाओं में 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों का नामांकन भी रद्द कर दिया जाएगा। अब हर हाल में वर्ग कक्ष में उपस्थित होना ही पड़ेगा।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार के अनुसार बीएड कोर्स के अभ्यास शिक्षण में प्रशिक्षुओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। एनसीटीई के निदेशानुसार अभ्यास शिक्षण में अनुपस्थित प्रशिक्षुओं को किसी भी परिस्थिति में प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। विद्यार्थियों को होने वाले नुकसान के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस में सभी मेजर कोर्स के विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम, कक्षा व आंतरिक परीक्षा की विस्तृत सूचना के लिए संबंधित विभागाध्यक्ष से संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

'बिहारी दोस्त' की परिकल्पना होगी साकार

मोतिहारी। बिहार महोत्सव समिति नयी दिल्ली के सरिता विहार में शनिवार को 21 बिहारियों को सम्मानित किया गया । सम्मानित किये जाने वालों में मोतिहारी की धरती से जुड़े सात लब्धप्रतिष्ठ बिहारी शामिल हैं।

दिल्ली में बिहार महोत्सव के प्रणेता एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के इज़ेडसीसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में सदस्य प्रसाद रत्नेश्वर ने बताया कि दिल्ली स्थित बिहार महोत्सव समिति ने अपने प्रथम आयोजन-2003 के साथियों और दिल्ली में कामयाब बिहारी भाइयों को

सम्मानित किया। इस अवसर पर अगले आयोजन हेतु तैयारी समिति की बैठक में मार्च-अप्रैल में होने वाले बिहार महोत्सव की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गयी। इसमें दिल्ली में रहने वाले सैकड़ों बिहारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। सम्मानित होने वाली कामयाब हस्तियों में आमोद कंठ, अजीत द्विवेदी,भगवान लाल, ब्रजेश सिंह, मयंकेश्वर सिंह, महाबल मिश्रा, डॉ. एम.एन.आलम, निशिकांत ठाकुर, नासिर राजा खान, श्रीमती नुजहत हसन, ओम वर्मा, ओम प्रकाश भारती, आर.के.सिन्हा, राकेश कुमार वर्मा, आर.के. गुप्ता, राधेश्याम सिंह, सुहैल खान, सुधाकर शरण, सुनील कुमार, ताज हसन एवं तनवीर हसन हैं।

श्री रत्नेश्वर ने बताया कि बिहार महोत्सव प्रथम आयोजन के 21 पूरे होने पर दिल्ली के बिहारियों में अपनत्व बढ़ाने के लिए ' बिहारी दोस्त ' की परिकल्पना को साकार करने की सार्थक पहल की गयी। आयोजन को सफल बनाने में नयी समिति पदाधिकारीगण मोहन कुमार गुप्ता, संजीव सेठ,नीरज कुमार, राकेश कुमार वर्मा,राममनोहर भूषण आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मौके पर अपने विचार प्रकट करने वालों में सुधांशु कुमार पांडेय, डॉ. संजीव सिन्हा,रामप्रवेश सिन्हा, हरिशंकर तिवारी, शुभम शर्मा, हरिशंकर सिंह,धर्मेंद्र विद्रोही, मोहम्मद इम्तियाज़, अमल शर्मा के नाम उल्लेखनीय हैं। इन वक्ताओं ने दिल्ली में बिहारियों को एकजुट करने एवं बिहार महोत्सव को नियमित करने पर बल दिया।

फाइलेरिया मरीजों के समूह ने किया लोगों को जागरूक

बीएनएम@मोतिहारी

जिले में आगामी 10 फरवरी से शुरू हो रहे सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम की सफलता को लेकर स्वास्थ्य विभाग काफ़ी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जिले में आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, जीविका दीदियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा जन समुदाय को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को पिपराकोठी प्रखंड के गोविंदापुर टिकैता में पवनपुत्र फाइलेरिया पेशेंट प्लेटफार्म का गठन सीएचओ ओमप्रकाश के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर 12 फाइलेरिया मरीजों के समूह ने लोगों को जागरूक किया। वहीं किरण देवी, गिनीलाल साह, मीरा देवी, मुन्नी देवी व अन्य फाइलेरिया मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण किया गया, साथ ही व्यायाम करने के तरीके बताए गए। भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सिफार संस्था के द्वारा जिले के पिपराकोठी, बंजरिया, मोतिहारी सदर, तुरकौलिया प्रखंड क्षेत्र के लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पेशेंट प्लेटफार्म का गठन किया गया है, ताकि फाइलेरिया के रोगी पेशेंट प्लेटफार्म बनाकर अपने घरों के आस पास, गली, कस्बों के लोगों को 10 फ़रवरी 2024 से चलने फाइलेरिया राउंड के दौरान सर्वजन दवा सेवन करने के लिए प्रेरित करें।

सर्वजन दवा सेवन करना ही बचाव का बेहतर उपाय है

पिपराकोठी की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शिवानी ने बताया कि आगामी 10 फरवरी 2024 से आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा घर घर जाकर फाइलेरिया से बचाव हेतु दवा खिलाई जाएगी, जिसमें 2 वर्ष से ऊपर आयु के लोगों को दवा सेवन करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि सर्वजन दवा सेवन करना ही फाइलेरिया से बचाव का बेहतर उपाय है।

क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होने वाला गंभीर रोग है फाइलेरिया

डीभीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि फाइलेरिया क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होने वाला गंभीर रोग है, जो यदि किसी को एक बार हो जाए तो जिंदगी में कभी भी ठीक नहीं होता है। लेकिन समय पर जानकारी मिलने के बाद उचित उपचार किया जाए तो इस बीमारी पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। इससे बचाव को साफ- सफाई एवं मच्छरदानी का प्रयोग आवश्यक है। उन्होंने बताया की सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के द्वारा फाइलेरिया रोग से पीड़ित मरीजों को एक साथ नेटवर्क बनाकर

जन जागरूकता फैलाया जा रहा है ताकि सर्वजन दवा सेवन की जानकारी आमजनों को भी हो। इस अवसर पर सीएचओ ओमप्रकाश, भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार, शिक्षक संजय कुमार, आशा गीता देवी, चंदा देवी, मीरा देवी, आशा फैसिलिटेटर किरण कुमारी, ए एन एम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गूगल ने भी माना हिन्दी का लोहा

आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय आज भले ही अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझते हों किन्तु सच यही है कि हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतवासी को वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है। सही मायनों में विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है भारत की राजभाषा हिन्दी, जो न केवल भारत में बल्कि अब दुनिया के अनेक देशों में बोली जाती है। वैश्विक स्तर पर हिन्दी की बढ़ती ताकत का सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यही है कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं और दुनियाभर के सैकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। दुनियाभर में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करने तथा हिन्दी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से पिछले कई वर्षों से 10 जनवरी को 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस वास्तव में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की महानता के प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम है। पहली बार नागपुर में 10 जनवरी 1975 को विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। तत्पश्चात भारत के बाहर मॉरीशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, अमेरिका इत्यादि देशों में भी विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था 'एथ्नोलॉग' द्वारा जब हिन्दी को दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा बताया जाता है तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। अगर हिन्दी बोलने वाले लोगों की संख्या की बात की जाए तो विश्वभर में 75 करोड़ से भी ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं। इंटरनेट पर भी हिन्दी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है और दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल द्वारा कुछ वर्षों पूर्व तक जहां अंग्रेजी सामग्री को ही महत्व दिया जाता था, वहीं अब गूगल द्वारा भारत में हिन्दी तथा कुछ क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि देश में हिन्दी में इंटरनेट उपयोग करने वाले की संख्या अब अंग्रेजी में इसका उपयोग करने वालों से ज्यादा हो जाएगी।

गालिब ने 1857 के गदर पर क्यों कलम नहीं उठाई

आर.के. सिन्हा

मिर्जा मोहम्मद असादुल्लाह बेग खान यानी मिर्जा गालिब एक से बढ़कर एक कालजयी शेर कहते हैं। कौन सा हिन्दुस्तानी होगा जिन्हें गालिब साहब के कहे "हज़ारों ख़्वाहिशें ऐसीं, कि हर ख़्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमान लेकिन फिर भी कम निकले..." और "हमको मालूम है जन्नत की हक़ीक़त, लेकिन, दिल के ख़ुश रखने को 'ग़ालिब' ये ख़याल अच्छा है..." जैसे शेरों को सुन-सुनकर आनंद ना मिलता हो। गालिब अपनी शायरी में वे सारे दुख, तकलीफ और त्रासदियों का जिक्र करते हैं जिससे वे महान शायर बनते हैं। लगता है कि गालिब में भी एक आम आदमी की कई कमजोरियाँ थीं। ग़ालिब ने अपने जीवन में भी कई दु:ख देखे। उनके सात बच्चे थे लेकिन सातों की मृत्यु हो गई थी। उनकी माली हालत तो कभी बहुत बेहतर नहीं रही। वे जीवनभर किराए के घर में ही रहे। दिल्ली-6 में जहाँ गालिब की यादगार बनी है, वे वहां पर ही वे एक किराए के घर में रहते थे। वे मशहूर तो अपने जीवनकाल में हो गए थे, पर पर्याप्त पैसा उनके पास नहीं था। ख़ैर, मिर्ज़ा ग़ालिब वर्ष 1827 में दिल्ली से कोलकाता गए थे। वे दिल्ली से कोलकाता जाते वक्त कानपुर, लखनऊ, बाँदा, इलाहाबाद होते हुए बनारस पहुँचे। वे बनारस में छह महीने ठहरे। वहां गालिब ने दिल्ली और दिल्ली के अपने दोस्तों को भी बड़ी शिद्दत के साथ याद किया। ग़ालिब लिखते हैं कि जब से क़िस्मत ने उन्हें दिल्ली से बाहर निकाल दिया है, उनके जीवन में एक तूफ़ान उठ खड़ा हुआ है। अब न कोई उनका हमदर्द है न ही उनका कोई वतन है। अपने उसी बनारस प्रवास के दौरान ग़ालिब ने बनारस के बारे में फ़ारसी में एक प्रसिद्ध मसनवी की रचना की, जिसे 'चिराग़-ए-दैर' के नाम से जाना जाता है। मसनवी उर्दू कविता का ही एक है रूप जिसमें कहानी क़िस्से रचे जाते हैं। ग़ालिब ने अपनी इस मसनवी में बनारस के तमाम रंगों और विविध छटाओं को बख़ूबी उकेरा है। गालिब 29 नवंबर 1829 को वापस अपने शहर दिल्ली आ गए। उसके बाद उनके बल्लीमरान के घर में फिर से दोस्तों आना-जाना चालू हो गया। उनका शेष जीवन दिल्ली की गलियों में ही गुजरा। उर्दू शायरी गालिब के बिना अधूरी है।"उनके देखे से जो आ जाती है मुँह पर रौनक़, वो समझते हैं कि बीमार का हाल अच्छा है..." अब भी गालिब की शायरी के शैदाई इस शेर को बार-बार पढ़ते हैं। उनका एक और शेर पढ़ें। "रोने से और इश्क़ में बे-बाक हो गए...धोए गए हम इतने कि बस पाक हो गए..."।गालिब के कुल 11 हजार से अधिक शेर जमा किये जा सके हैं। उनके ख़तों की तादाद 800 के करीब थी। वे फक्कड़ शायर थे। गालिब के हर शेर और शायरी में कुछ अपना सा दर्द उभरता है। पर गालिब तब लगभग चुप क्यों थे जब दिल्ली में पहली जंगे आजादी की लड़ाई लड़ी जा रही थी। 11 मई, 1857 को मेरठ में अंग्रेजों को रौंदने के बाद बागी सिपाही पहले हिंडन और फिर यमुना नदी को नावों से पार करके सलीमगढ़ के रास्ते भोर में ही दिल्ली में दाखिल हो गए थे। इनके निशाने पर यहां पर काम कर रहे गोरे और ईसाई बन गए हिन्दुस्तानी थे। ये सब उस दौर में दिल्ली के दिल दरियागंज में काफी संख्या में रहते थे। बागियों ने जामा मस्जिद के उर्दू बाजार में स्थित दिल्ली बैंक को लूटा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

Today's Opinion

राष्ट्र के पुनर्निर्माण का आधार बनेगा श्रीराम मंदिर

प्रो. संजय द्विवेदी

आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे, लेकिन आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। श्रीराम मंदिर का निर्माण एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। अयोध्या यानी वह भूमि जहां कभी युद्ध न हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छुपा हुआ तथ्य नहीं है। किंतु उन हजारों मंदिरों की जगह, अयोध्या की जन्मभूमि को नहीं रखा जा सकता। एक ऐतिहासिक अन्याय की परिणति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत आए फैसले से मंदिर का निर्माण संपन्न हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस अर्थ में गौरवशाली हैं कि उनके कार्यकाल में इस विवाद का सौजन्यतापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका। इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और मंत्री रहे दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही अशोक सिंघल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपनी संगठन क्षमता से इस आंदोलन को जनांदोलन में बदल दिया। संत रामचंद्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ जैसे संत इस आंदोलन से जुड़े और समूचे देश में इसे लेकर एक भावभूमि बनी। तब से लेकर आज तक सरयू नदी ने अनेक जमावड़े और कारसेवा के प्रसंग देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम फैसले के बाद जिस तरह का संयम हिंदू समाज ने दिखाया वह भी बहुत महत्व का विषय है। क्या ही अच्छा होता कि इस कार्य को साझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनीतिक आग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार जिदें कुछ देकर नहीं जातीं, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरुर लगा देती हैं। दुनिया के किसी देश में यह संभव नहीं है उसके आराध्य इतने लंबे समय तक मुकदमों का सामना करें। किंतु यह हुआ और सारी दुनिया ने इसे देखा। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिक-सामाजिक मूल्यों की स्थापना का समय भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है, हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का मानस क्या रहा होगा, कहने की जरुरत नहीं है। किंतु हर भारतवासी का राम से रिश्ता है, इसमें भी कोई दो राय नहीं है। वे हमारे प्रेरणापुरुष हैं, इतिहास पुरुष हैं और उनकी लोकव्याप्ति विस्मयकारी है। ऐसा लोकनायक न सदियों में हुआ है और न होगा। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस तरह इस देश का जीवन हैं। राम शब्द संस्कृत की 'रम' क्रीड़ायाम धातु से बना है अर्थात हरेक मनुष्य के अंदर रमण करने वाला जो चैतन्य-स्वरुप आत्मा का प्रकाश विद्यमान है, वही राम है। राम को शील-सदाचार, मंगल-मैत्री, करुणा, क्षमा, सौंदर्य और शक्ति का पर्याय माना गया है। कोई व्यक्ति सतत साधना के द्वारा अपने संस्कारों का परिशोधन कर राम के इन तमाम सद्गुणों को अंगीकार कर लेता है, तो उसका चित्त इतना निर्मल और पारदर्शी हो जाता है कि उसे अपने अंत:करण में राम के अस्तित्व का अहसास होने लगता है। कदाचित यही वह अवस्था है जब संत कबीर के मुख से निकला होगा,

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

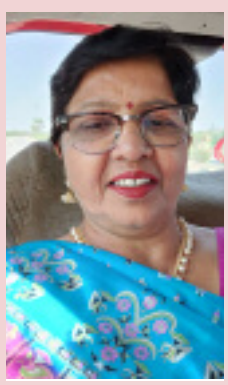

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

आंवला एक लाभ अनेक

खाने-पीने की जब भी बात आती है, तो मौसम का अहम रोल होता है। जैसे अक्सर लोग इस बात को लेकर दुविधा में रहते हैं कि सर्दियों में कौन-सी चीजें खानी चाहिए और कौन सी चीजें नहीं खानी चाहिए।

आंवले के बारे में भी ज्यादातर लोग यही सोचते हैं कि ठंड में आंवला नहीं खाना चाहिए लेकिन आयुर्वेद के अनुसार ठंड के मौसम में आंवले का सेवन आपको कई बीमारियों से बचाता है। आइए जानते हैं ठंड में आंवला खाने के फायदे

आंवले के बारे में भी ज्यादातर लोग सोचते हैं कि ठंड में आंवला नहीं खाना चाहिए लेकिन आयुर्वेद के अनुसार ठंड के मौसम में आंवले का सेवन आपको कई बीमारियों से बचाता है। आंवला जिसे इंडियन गूसबेरी भी कहा जाता है हमारे स्वाथ्यय के लिए बेहद फायदेमंद होता है। आइए आप को बताते हैं आंवला खाने के फ़ायदे। आंवला विटामिन सी का काफी अच्छा स्रोत है। इसमें एक संतरे की तुलना में 8 गुना अधिक विटामिन सी होता है और 1 आंवले में संतरे से 17 गुना अधिक एंटीऑक्सिडेंट होता है। विटामिन सी के साथ-साथ यह कैल्शियम का भी एक समृद्ध स्रोत है।

यह आपको कई मौसमी बीमारियों से दूर रखने के साथ-साथ सर्दी या खांसी में भी राहत दिलाता है। इसके अलावा आंवला शरीर के हर अंग के लिए अलग-अलग प्रकार से मदद करता है। गंभीर बीमारियों में इसके सेवन से लाभ मिलता है इसके सेवन से बाल, आंख पाचन शक्ति तंदुरुस्त रहते हैं।

आंवले का चूर्ण – अगर आपको लगातार पेट की समस्या है तो आंवले के चूर्ण का इस्तेमाल करें। इससे गैस कब्ज एसिडिटी की समस्या में आराम मिलेगा। साथ ही भोजन को पचाने में समस्या नहीं होगी।

आंवले का मुरब्बा – आंवले का मुरब्बा जितना अधिक पुराना होता है वह उतना ही गुणकारी और लाभकारी होता है। रोज एक पूरा आंवले का मुरब्बा खाने से आंखों की रोशनी तेज होती है बाल बढ़ते हैं सर्दी-खांसी नहीं होती है। चेहरे का ग्लो बढ़ता है।

आंवले का अचार – अगर आप अचार के शौकीन है लेकिन खा नहीं सकते तो आंवले के अचार का सेवन कर सकते हैं। यह आपकी बॉडी को नुकसान नहीं पहुंचाता है। पराठे या रोटी के साथ ठंड के सीजन में इसका सेवन कर सकते हैं। **आंवले का जूस** – आंवले का जूस अगर आपने नहीं पिया है तो इस बार जरूर इसका सेवन करें। आंवले के जूस के सेवन से शरीर में तरावट बनी रहती है। क्योंकि इसमें विटामिन सी होता है। जिससे आपकी बॉडी को एनर्जी मिलती है।

आंवले का मुखवास – आंवले का जब मुखवास तैयार करते हैं तो महिलाएं अलग-अलग प्रकार के मुखवास बनाती है। उन्हें बारीक किस कर बनाया जाता है आंवले के टुकड़े करके बनाया जाता है तो चिप्स के रूप में बनाते हैं। हालांकि कई लोग मुखवास बनाने के दौरान बहुत सारी चीनी का इस्तेमाल करते हैं। जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक होती है।

चाय की लत आपको बना सकती है गंभीर बीमारी का शिकार

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे चाय पीना पसंद न हो। चाय देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी पसंद किया जाने वाला पेय पदार्थ है। चाय की इसी लोकप्रियता के चलते दुनियाभर में कई प्रकार की चाय प्रचलित है। हमारा मूड रीफ्रेश करने के साथ ही चाय हमारी सेहत को कई तरह के फायदे भी पहुंचाती है। वहीं, सर्दियों के मौसम में तो लोग भारी मात्रा में इसका सेवन करना शुरू कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय की लत कई बार आपके लिए हानिकारक भी साबित हो सकती है।

दरअसल, ज्यादा मात्रा में चाय पीने से आप हड्डियों की खतरनाक बीमारी का शिकार हो सकती है। स्केलेटल फ्लोरोसिस नामक यह बीमारी आपकी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना सकती है। अगर आप भी चाय पीने के शौकीन हैं, तो आज जानेंगे इसके अधिक सेवन से होने वाली इस बीमारी के बारे में-

क़्या है स्केलेटल फ्लोरोसिस

स्केलेटल फ्लोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जो अंदर ही अंदर हमारी हड्डियों को खोखला कर देती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को गठिया यानी अर्थराइटिस जैसा दर्द महसूस होता है। ये बीमारी खासतौर पर हड्डियों में दर्द पैदा करती है। इस बीमारी के होने पर कमर दर्द,हाथ-पैरों में दर्द और जोड़ों में दर्द की शिकायत होती है।

चाय से हो सकता है स्केलेटल फ्लोरोसिस

अगर आप खाली पेट चाय पीते हैं या दिन में लगातार चाय का सेवन कर रहे हैं, तो इससे स्केलेटल फ्लोरोसिस का खतरा काफी बढ़ जाता है। दरअसल, चाय में मौजूद फ्लोराइड मिनरल हड्डियों के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। ऐसे में शरीर के अंदर फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने पर हड्डियों में स्केलेटल फ्लोरोसिस होने की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही चाय शरीर को कैल्शियम सोखने से भी रोकता है, जिसकी वजह से इस बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण

पेट भारी रहना
घुटनों के आसपास सूजन
झुकने या बैठने में परेशानी
दांतों में अत्यधिक पीलापन
कंधे, हाथ और पैर के जोड़ों में दर्द
कम उम्र में बुढ़ापे का लक्षण नजर आना
हाथ-पैर का आगे या पीछे की ओर मुड़ जाना
पांव का बाहर या अंदर की ओर धनुषाकार हो जाना

दिन में कितनी चाय पीना सुरक्षित

चाय के अधिक सेवन से सिर्फ स्केलेटल फ्लोरोसिस ही नहीं, बल्कि कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। खाली पेट या ज्यादा मात्रा में चाय पीने से अल्सर, हाइपर एसिडिटी, घबराहट, मलती जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में जरूरी है कि आप सीमित मात्रा में चाय का सेवन करें। दिन में तीन कप चाय का सेवन सेहत के लिए खतरनाक नहीं है। लेकिन अगर आप रोजाना तीन कप से ज्यादा चाय पी रहे हैं, तो यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

गैस व एसिडिटी की ज्यादा प्रॉब्लम, तो इन योगासनों से पाएं राहत

बिना पचा भोजन अगर लंबे समय तक पेट में रहता है तो इससे गैस, खटी डकार आना, एसिडिटी, पेट दर्द के साथ मरोड़ की शिकायत भी हो सकती है। सर्दियों में तो ये समस्या और बढ़ जाती है क्योंकि इस मौसम में चाय-कॉफी के साथ गर्मागर्म पकौड़े, मक्खन वाले पराठे का सेवन भी लोग दूसरे सीज़न के मुकाबले ज्यादा करते हैं।

पेट में गैस तब बनती है, जब हमारे शरीर की कोशिकाएं खाए गए भोजन से अपना तालमेल नहीं बिठा पातीं। इसकी वजह से अपच भी हो सकती है। जो अल्सर, कब्ज, स्टमक इंफेक्शन जैसी दूसरी परेशानियों की वजह भी बन जाती है। इसके अलावा नियमित तौर पर दवाओं का सेवन करने वाले व्यक्तियों को भी गैस की प्रॉब्लम हो सकती है।

गैस की अन्य वजहें

जल्दी-जल्दी खाना, एक बार में बहुत ज्यादा खाना, ऑयली-मसालेदार भोजन, मीठे का सेवन, तनाव, ज्यादा सिगरेट शराब पीने से भी गैस की प्रॉब्लम होती है। तो गैस की समस्या से राहत दिलाने में कुछ योगासन बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। जानेंगे इनके बारे में।

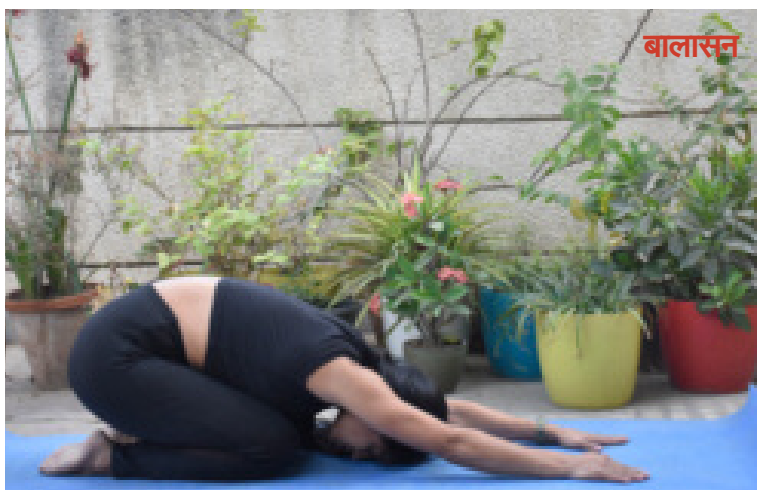

अर्धमत्स्येन्द्रासन

अर्धमत्स्येन्द्रासन डायबिटीज के साथ ही गैस व एसिडिटी में भी बेहद कारगर आसन है। इससे पेट पर दबाब पड़ता है जिससे गैस आसानी से रिलीज हो जाती है। साथ ही बॉडी भी डिटॉक्स होती है। यह पेट के अंदरूनी अंगों में ब्लड के सर्कुलेशन को भी बढ़ाता है।

बालासन

बालासन तो गैस व एसिडिटी दूर करने में बहुत ही असरदार आसन है। इस आसन से पेट के अंगों की मालिश होती है जिससे पाचन ठीक रहता है और साथ ही अंदरूनी अंग मजबूत भी होते हैं। बालासन के अभ्यास से तनाव भी दूर रहता है।

अधोमुख श्वानासन

अधोमुख श्वान के अभ्यास से भी गैस व एसिडिटी की समस्या दूर होती है। यह आसन से पेट पर दबाब पड़ता है जिससे गैस रिलीज होती है साथ ही पेट में ऑक्सीजन की सप्लाई भी सही तरह से होती है।

वज्रासन

खाने के तुरंत बाद अगर आप 3-4 मिनट वज्रासन में बैठ जाएं तो आप पाचन से जुड़ी कई समस्याओं से दूर रह सकते हैं। यह आसन पेट और आंत में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है और भोजन को सही से पचाने में भी मदद करती है।

मार्जरीआसन

मार्जरी आसन गैस से छुटकारा दिलाने में बहुत ही फायदेमंद है। इस आसन को करने से पाचन अंगों की मसाज होती है और वहां ब्लड का सर्कुलेशन भी सही तरह से होता है। जिससे गैस के साथ ही एसिडिटी से भी राहत मिलती है।

BNM Fantasy

Sunday
21 January 2024

मुश्किल में नयनतारा की फिल्म अन्नापूर्णी

जवान एक्ट्रेस नयनतारा की फिल्म अन्नापूर्णी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, हालांकि रिलीज के साथ ही फिल्म विवादों से घिर गई है। फिल्म के एक सीन में भगवान श्रीराम को मांसाहारी बताया गया था, जिसके चलते फिल्ममेकर्स के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में शिकायत दर्ज की गई है। शिवसेना के पूर्व नेता रमेश सोलंकी ने 6 जनवरी को फिल्म अन्नापूर्णी के मेकर्स के खिलाफ मुंबई में शिकायत दर्ज करवाई है। उनका आरोप है कि मेकर्स ने भगवान श्रीराम का अपमान कर हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाया है शिकायत के अलावा भी रमेश सोलंकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिल्म की कड़ी आलोचना की।

रश्मिका मंदाना- विजय देवरकोंडा कर रहे हैं सगाई!

एनिमल एक्ट्रेस और नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना जल्द ही लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा से सगाई कर सकती है। दोनों ने आज तक कभी अपने रिलेशनशिप को पब्लिकली एक्सेप्ट नहीं किया है, लेकिन अब रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों जल्द ही सगाई की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ रिश्ते पर मुहर लगाने वाले हैं। न्यूज वेबसाइट न्यूज 18 तेलुगु ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी में सगाई करने वाले हैं। दोनों फरवरी के दूसरे हफ्ते में सगाई कर अपने रिलेशनशिप की ऑफिशियल जानकारी देंगे। हालांकि दोनों की टीम या एक्टर्स की तरफ से इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। बताते चलें कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा साउथ के स्टार्स हैं। दोनों ब्लॉकबस्टर फिल्मों गीता-गोविंदम और डियर कॉमरेड में साथ नजर आए हैं, जिनमें इनकी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री काफी पसंद की गई थी। फिल्मों के सेट से खबरें थीं कि दोनों रिलेशनशिप में हैं, हालांकि दोनों ही एक्टर्स ने कभी इस पर खुलकर बात नहीं की है। दिवाली के खास मौके पर विजय देवरकोंडा ने अपने घर में दिवाली पार्टी रखी थी, जिसमें रश्मिका भी पहुंची थीं। तस्वीरें सामने आने के बाद से ही दोनों के रिलेशनशिप को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। इसके अलावा भी दोनों कई बार साथ वेकेशन मनाते भी नजर आए हैं। नवंबर में रश्मिका मंदाना को एयरपोर्ट में विजय देवरकोंडा की हुडी पहने हुए स्पॉट किया गया था।

मलाइका- अर्जुन के ब्रेकअप की खबरों पर लगा विराम

मलाइका ने की अर्जुन से खास डिमांड

फिल्मी गलियारों में बीते कई दिनों से चर्चा है कि मलाइका अरोड़ा ने बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर से ब्रेकअप कर लिया है। इसी बीच अब फराह खान के एक वीडियो से ये सभी अफवाहें बेबुनियाद साबित हुई हैं। फराह खान के बर्थडे पर मलाइका ने अपने बॉयफ्रेंड अर्जुन से खास डिमांड कर उन्हें सरप्राइज दिया था।9 जनवरी को फराह खान 59 साल की हो गई हैं। फराह के बर्थडे पर सरप्राइज देने के लिए उनकी दोस्त और को-जज मलाइका अरोड़ा ने उनके लिए घर का खाना मंगवाया था। क्योंकि मलाइका खुद झलक दिखला जा की शूटिंग में व्यस्त थीं, तो उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर से घर का खाना लाने की डिमांड की थी।फराह खान ने खुद वीडियो शेयर कन्फर्म किया है कि वो खाना मलाइका नहीं बल्कि अर्जुन कपूर के घर से आया है। मलाइका, फराह को सरप्राइज देने के लिए झलक दिखला जा 11 के सेट पर अपनी वैनिटी में ले गई थीं, जहां उन्होंने उन्हें खाना खिलाया है। फराह ने वीडियो में खाना दिखाते हुए कहा है, 'वाह, मेरे बर्थडे का लंच हो रहा है और इतना सारा खाना मलाइका अरोड़ा ने खुद अपने हाथों से कॉल कर अर्जुन जी से मंगवाया है। इस खाने के लिए थैंक्यू अर्जुन।' इस वीडियो को शेयर करते हुए फराह ने लिखा है, 'झलक दिखला जा के शूट पर प्री बर्थडे सेलिब्रेशन। मुझे बिगाड़ने वाले दोस्त पाकर बहुत अच्छा लग रहा है। थैंक्यू मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर, ये लंच ऑर्गेनाइज करने के लिए। रवीना टंडन का भी स्पेशल डिश लाने के लिए शुक्रिया और ऋत्विक धनजानी का भी ज्यादा खाना खाने के लिए शुक्रिया।' बताते चलें कि मलाइका अरोड़ा ने अकेले क्रिसमस सेलिब्रेट किया था, जबकि अर्जुन कपूर अपनी बहन अंशुला के साथ लंदन में थे। दोनों को अलग-अलग सेलिब्रेट करते देखने पर दोनों के ब्रेकअप के कयास लगाए जा रहे थे।